



कोई किसी से कम नहीं



पाठ परिचय आप किसी ऐसे पेड़ के बारे में जानते हैं जो किसी काम न आता हो? याद कीजिए तो याद आएगा कि प्रत्येक पेड़ से हमें कुछ-न-कुछ मिलता है।

गरमी का मौसम था। एक बाग में तरह-तरह के पेड़ लगे हुए थे। हर तरफ हरियाली थी। सभी पेड़ लहलहा रहे थे। सभी खुश थे। आम का पेड़ बहुत खुश था। आम का पेड़ मंजरियों से भरा हुआ था। आम के भार से आम की डालियाँ झुकी हुई थीं। आम की डालियों पर कोयल कूक रही थीं। सारा वातावरण गुंजायमान हो रहा था। आम इतराता हुआ इधर-उधर डोल रहा था।

पास उगे केले के पेड़ ने आम को छूने की कोशिश की तो आम ने उसका हाथ झटक दिया। केले के पेड़ ने पूछा, “क्यों भाई, इतना क्यों इतरा रहे हो?” आम बोला, “अपने-आप को देखो। कितने छोटे-से हो। पत्ते हाथी के कान से भी बड़े-बड़े। सारे-के-सारे पत्तों से ही लिपटे हो, लकड़ी का तो नाम भी नहीं। पत्तों का क्या करोगे?” केले ने गर्व से कहा, “मेरे पत्ते बहुत काम के हैं। खाने के लिए प्लेट की ज़रूरत नहीं। तोड़ो, बिछाओ और उसपर रखकर खाओ। प्लास्टिक की





बादलों के घरे



पाठ परिचय बादल कैसे बनते हैं? वर्षा कैसे होती है? बच्चों के मन में उठती इन जिज्ञासाओं को अपने आसपास हो रही गतिविधियों के द्वारा आसानी से समझाया जा सकता है।

पात्र अकरम स्कूल ड्रेस में, अकरम के अब्बा, अकरम की अम्मी

दृश्य 1

(बादलों के गरजने और पानी के बरसने की आवाज़। पीठ पर बस्ता टाँगे, भीगे कपड़ों में अकरम का भागते हुए प्रवेश। उसके पिता तौलिया लिए मंच पर खड़े हैं।)

अकरम देखो न अब्बा, मैं तो पूरा भीग गया।

अब्बा जब बरसात शुरू हुई थी, तुम्हें तभी कहीं रुक जाना चाहिए था।

अकरम जब मैं स्कूल से निकला था, उस समय आसमान में केवल बादल छाए हुए थे। मुझे लगा, घर पहुँचने तक बरसात शुरू नहीं होगी। हुई भी तो कुछ देर धीमी होगी। तब तक मैं घर पहुँच जाऊँगा। पर आज तो सीधे बड़ी-बड़ी बूँदें गिरने लगीं।



हम कुछ सीखें



पाठ परिचय प्रकृति हमें बहुत कुछ देती है। हमें भी प्रकृति से प्रेरणा लेकर अपना जीवन परोपकार में लगाना चाहिए।

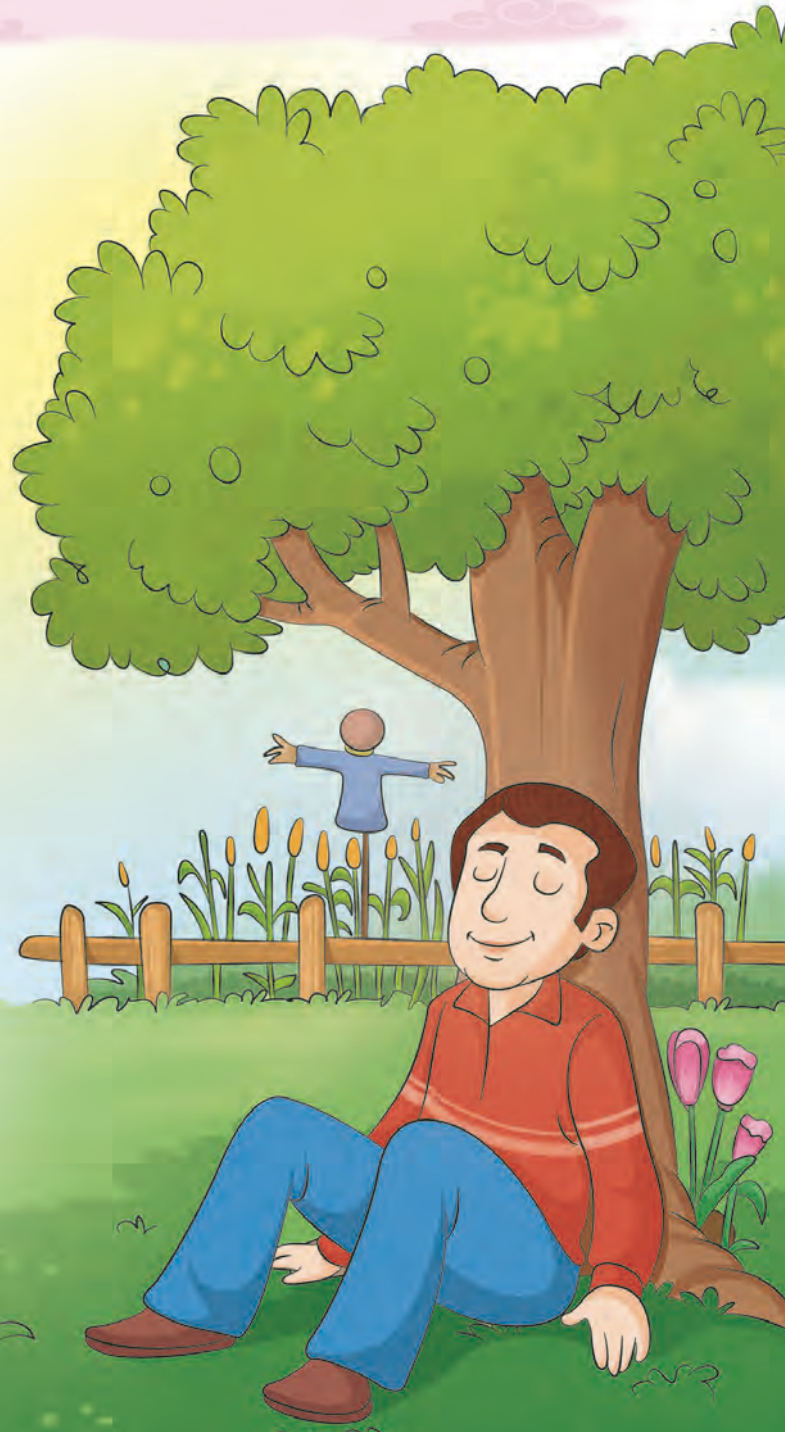
देश हमें देता है सब कुछ
हम भी तो कुछ देना सीखें।

सूरज हमें रोशनी देता,
हवा नया जीवन देती है,
भूख मिटाने को हम सबकी
धरती पर होती खेती है।

औरों का भी हित हो जिसमें
हम ऐसा कुछ करना सीखें।

पथिकों को जलती दुपहर में
पेड़ सदा देते हैं छाया,
खुशबू-भरे फूल देते हैं
हमको नव फूलों की माला।

त्यागी तरुओं के जीवन से
हम भी तो कुछ जीना सीखें।





ईमानदारी की पौध



पाठ परिचय राजा को तलाश थी अपनी प्रजा में से एक ईमानदार उत्तराधिकारी की। उन्होंने एक उपाय भी सोच लिया था। क्या राजा ढूँढ़ पाए ऐसा व्यक्ति जो सबसे ईमानदार हो?

बहुत समय पहले एक शक्तिशाली राजा हुआ करते थे। वे अपनी प्रजा से बहुत प्यार करते थे और बुद्धिमत्तापूर्ण शासन चलाते थे। उनकी कोई संतान नहीं थी। राजा बूढ़े होते जा रहे थे। उन्हें इसी बात की चिंता सता रही थी कि उनके मरने के बाद उनके राज्य का क्या होगा? जो भी शासक बनेगा वह ईमानदार होगा या नहीं। वे अक्सर इस बारे में महारानी से चर्चा किया करते थे। आज भी वे इसी सोच में डूबे थे। अचानक हरे-भरे पेड़-पौधों को देखकर उन्हें राज्य के लिए एक योग्य शासक चुनने की युक्ति सूझी।

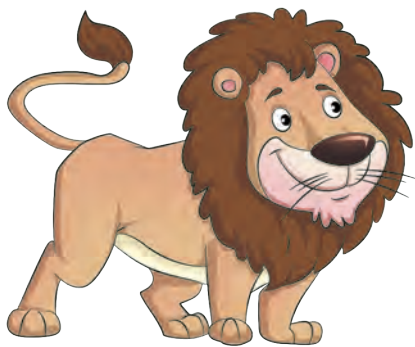
महारानी, मैं सोच रहा हूँ कि प्रजा में से ही मैं अपना उत्तराधिकारी चुनूँ। इसके लिए मैंने एक उपाय भी सोच लिया है।

यह तो बहुत नेक विचार है, महाराज।



पहेलियाँ

1. फूल हूँ मैं सबसे सुंदर
और फल भी हूँ भाई,
फल और फूल मिला दो तो
बन जाए एक मिठाई।



2. न महल है न मोती
न खाने को है रोटी।
न पास सोने का बाजा
फिर भी कहलाए राजा।

3. एक थाल मोतियों से भरा
सबके सिर पर औंधा धरा।
चारों ओर वह थाली फिरे
मोती उससे एक न गिरे।



4. आगे-आगे बहिना आई
पीछे-पीछे भइया।
दाँत निकाले बाबा आए,
बुरका ओढ़े मइया।

उत्तर: 1. गुलाबजामुन 2. शेर
3. तारों भरा आसमान 4. भुट्टा



शब्दार्थ

मंजरी	आम का बौर
लाजवाब	बहुत बढ़िया
कुदरत	प्रकृति
तुनककर	चिढ़कर
निबौरी	नीम का फल
खोपरा	सूखा नारियल

वातावरण	पर्यावरण
गुंजायमान	गूँजता हुआ
हिमायत	पक्ष लेना
गरी	नारियल के भीतर का मुलायम गूदा
इतराना	नखरा करना
दातुन	दाँत माँजने के काम आनेवाली पतली टहनी

मुहावरे

अपने मुँह मियाँ मिट्टू बनना	अपनी प्रशंसा आप करना
आम के आम गुठलियों के दाम	दोहरा लाभ

अभ्यास



मौखिक प्रश्न

उत्तर दीजिए।

- क. केले ने जब आम को छूने की कोशिश की तब आम ने क्या किया?
- ख. किस पेड़ के पत्ते बड़े-बड़े थे?
- ग. नीम की दातुन का क्या लाभ है?
- घ. बरगद की जड़ें कैसी लग रही थीं?
- ङ. आम से क्या-क्या बनता है?



लिखित प्रश्न

1. किसने कहा?

क. “क्यों भाई, इतना क्यों इतरा रहे हो?”

ख. “हाँ भाई! केले का पेड़ है बड़े काम का।”

ग. अकरम ने कौन-सा रहस्य समझा?

3. सुनो और लिखो।

बस्ता तौलिया अकरम रसोईघर सूर्य बादल समूह रहस्य प्रभाव ध्यान



भाषा बोध

1. संयुक्ताक्षर दो वर्णों को जोड़कर बनते हैं, जिनमें पहला वर्ण आधा तथा दूसरा वर्ण पूरा होता है, जैसे—बस्ता, ध्यान। पाठ में आए संयुक्ताक्षर वाले शब्दों को छाँटकर लिखिए।

2. द्वित्व व्यंजन दो समान वर्णों को जोड़कर बनते हैं, जिनमें पहला वर्ण आधा तथा दूसरा वर्ण पूरा होता है, जैसे—अब्बा, अम्मी। दिए गए शब्दों में से द्वित्व व्यंजनों को छाँटकर लिखिए।

बिल्ली	बस्ता	चम्मच	क्यारी	स्कूल	मक्का
बच्चा	गुब्बारा	वाक्य	शब्द	मुन्ना	अच्छा

3. वाक्य बनाइए।

क. खुशी-खुशी

ख. बड़ी-बड़ी

ग. नन्ही-नन्ही

एक शब्द को दो बार लिखते समय उनके बीच में एक छोटी-सी रेखा (-) लगाते हैं।
इसे योजक चिह्न कहते हैं।

4. अ जोड़कर विपरीत शब्द बनाइए।

क. कुशल ————— अकुशल

ख. प्रसन्न —————

ग. सफल —————

घ. शिक्षित —————

ङ. प्रभावित —————

च. योग्यता —————

5. सही मिलान कीजिए।

क. कंधे-से-कंधा मिलाना

- बिना अनुमति किसी काम में अचानक आ जाना

ख. वाणी में जादू होना

- साथ देना

ग. कूद पड़ना

- बहुत मधुर वाणी



सुनना और बोलना

शिक्षक इन पंक्तियों का कक्षा में वाचन करें। इनपर आधारित प्रश्न बनाएँ और शिक्षार्थियों से प्रश्नों का उत्तर देने को कहें।

गांधीजी ने 'नमक सत्याग्रह' आंदोलन चलाया था। यह आंदोलन इसलिए चलाया गया था, क्योंकि उस समय भारत में किसी भारतीय को नमक बनाने तथा बेचने की इजाजत नहीं थी। नमक हर घर में प्रयोग होता था, इसलिए इस कानून को उचित नहीं माना गया और गांधीजी ने इसका विरोध करने का निर्णय लिया और लोगों के साथ मिलकर समुद्र के किनारे नमक बनाकर इस कानून को तोड़ा।



कल्पना

सरोजिनी नायडू की वाणी में जादू था जिससे सभी उनकी ओर आकर्षित हो जाते थे। कल्पना कीजिए कि आप भारत के स्वतंत्रता संग्राम में भाग ले रहे हैं। भारतीय महिलाओं को प्रोत्साहित करने के लिए एक भाषण लिखिए तथा कक्षा में सुनाइए।



कार्यकलाप

1. स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान बहुत-से नारे प्रसिद्ध हुए, जैसे—'जय हिंद',



कार्यकलाप

1. गाँव में बहुत-सी अच्छी बातें हैं—

- गाँव में चारों ओर हरियाली होती है।
- यहाँ की हवा बहुत शुद्ध होती है।
- यहाँ भीड़-भाड़ कम होती है।
- अनेक त्योहार मनाए जाते हैं।
- लोग सीधे-सादे होते हैं।



क्या आप कभी गाँव गए हैं? आपको वहाँ क्या अच्छा लगा? अपने सहपाठियों से बातचीत कीजिए।

2. क्या आपने ऐसे घर देखे हैं? पहचानें और मिलाएँ।

मचान ऊँचे स्थान पर लट्ठे या बाँस आदि के फट्टे बाँधकर बनाया गया ऊँचा स्थान होता है, जिसपर बैठकर लोग खेत की रखवाली करते हैं।



बोट-हाउस नाव पर बना घर होता है।



ट्री-हाउस पेड़ के ऊपर बना घर होता है।

